


य

बनाम

नं.

26/12/19

पत्रावली कण्ठे आदेशार्थ वेग डी डामपस  
 के अभिग्राहक उपस्थित। पत्रावली का हवपोक  
 किया। उग्रपडन की बहस पर मनक किया।  
 ठोशार्थी से. + का आवेदन बाबत विधिकरूपानि  
 स्वीकृत किया जाकर केस रकिट द्वारा प्रस्तुत  
 आवेदन बाबत टिसीवर नियुक्त कजे इसी तिथि  
 खारिज किया जाना है। पत्रावली में ठोश फेर  
 कार्यवाही उपेक्षित नहीं है। विरुद्ध प्राप्त से  
 लिखकना जाकर शाकील पत्रावली किया गया।  
 पत्रावली के ताल शुभाल होकर अउ तकरील डाखिल  
 करवा दी

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 घोट म सीकर



Not Official

# न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, धोद मु० सीकर

बड़जलास राजपाल यादव आरएएस

प्रकरण सं० 24/18/212(2) आरटीए वास्ते रिसीवर नियुक्ति हेतु

केशरसिंह

बनाम

भवानी सिंह आदि

प्राथमिक विधिक आपत्ति दिनांकित 27.09.2019

उपस्थिति-

1. श्री सांवरमल वकील आपत्तिकर्ता/अप्रार्थी सं. 1 की ओर से
2. श्री विजय कुमार शर्मा वकील जवाबदाता/प्रार्थी की ओर से

**निर्णय आवेदन प्राथमिक विधिक आपत्ति**

दिनांक— 26.12.2019

01. वकील आपत्तिकर्ता/अप्रार्थी सं. 1 की ओर से विधिक आपत्ति पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत आवेदन वास्ते रिसीवर नियुक्ति दावा सं. 93/12 बी.टी. नं. 368/14 उनवान भवानीसिंह बनाम मोहनी आदि के आधार पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। उक्त वाद में आवेदक केशरसिंह वादी नहीं होकर प्रतिवादी है तथा उसकी ओर से उक्त वाद में कोई काउण्टर वाद नहीं किया गया है। विधि एवं नियमानुसार अ.घा. 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत वही व्यक्ति रिसीवर नियुक्ति हेतु आवेदन करने हेतु अधिकृत है, जिसकी ओर से दावा एवं काउंटर वाद पेश किया हुआ हो और वह विचाराधीन हो। इसलिए प्रस्तुत आवेदन बाबत रिसीवर नियुक्ति हेतु बिना काउंटर वाद के चलने योग्य नहीं है और प्रथम दृष्ट्या ही खारिज किये जाने योग्य है। अतः विधिक आपत्ति पेश कर निवेदन है कि आवेदन अ.घा. 212(2) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम वास्ते रिसीवर नियुक्ति करने हेतु खारिज करने की कृपा करें।
02. आवेदन प्राथमिक विधिक आपत्ति पेश होने पर आवेदन की प्रति वकील जवाबदाता/प्रार्थी को दिलाई गई। वकील जवाबदाता/प्रार्थी ने आवेदन आपत्ति का जवाब पेश कर निवेदन किया है कि प्रस्तुत आवेदन प्रकरण सं. 368/2014 उनवान भवानीसिंह बनाम मोहनी आदि के आधार पर प्रस्तुत किया जाना सही है। प्रस्तुत आवेदन में केशरसिंह का प्रतिवादी होना स्वीकार है। उक्त वाद में केशरसिंह द्वारा कोई काउण्टर वाद प्रस्तुत नहीं किया जाना भी सही है। यह कहना एकदम गलत है कि रिसीवर नियुक्ति हेतु आवेदन केवल दावा अथवा काउण्टर दावा प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति ही दे सकता हो। धारा 212(2) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के अन्तर्गत वादी अथवा प्रतिवादी दोनों ही रिसीवर नियुक्ति का आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अप्रार्थी/वादी भवानी सिंह द्वारा यह आवेदन प्रकरण को विलम्बित करने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है, जो निरस्त किये जाने योग्य है। अतः अप्रार्थी/वादी भवानी सिंह का उक्त आवेदन निरस्त करने की कृपा करें।



*liy*  
उपखण्ड अधिकारी।  
धोद मु० सीकर

2/11/19

03. बहस उभय पक्ष के योग्य अभिभाषकगण की सुनी गई। वकील आपत्तिकर्ता/अप्रार्थी सं. 1 ने बहस के दौरान आवेदन प्राथमिक विधिक आपत्ति के तथ्यों को दोहराया। इसके विपरीत वकील जवाबदाता/प्रार्थी ने अपने जवाब के कथनों को बहस के दौरान दोहराया।
04. हमने उभय पक्ष के योग्य अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया एवं पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया। प्रकरण में मूल प्रश्न यह है कि प्रतिवादी/अप्रार्थी बिना काउण्टर दावा/अस्थायी निषेधाज्ञा के रिसीवर नियुक्त करने का आवेदन पेश करता है या नहीं? उक्त भूमि के संबंध में दावा सन् 2012 से विचाराधीन है तथा टी.आई पूर्व में फैसल हो चुकी है। इन दोनों में आवेदक केशरसिंह ने न तो काउण्टर दावा पेश किया तथा न ही काउंटर टी.आई. पेश की है। अतः ऐसी स्थिति में दिनांक 11.07.2019 को रिसीवरी का आवेदन पेश किया जाना विधिसम्मत नहीं माना जा सकता है। अतः अप्रार्थी सं. 1 की ओर से पेश नजीर RRD 1996 Page 100 एवं RRD 1987 Page 395 से सहमत होते हुये अप्रार्थी सं. 1 का आवेदन बाबत विधिक आपत्ति स्वीकार किया जाकर केशरसिंह द्वारा प्रस्तुत आवेदन बाबत रिसीवर नियुक्त करने इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली में अन्य कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हों।

निर्णय आज दिनांक 26.12.2019 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

सत्यमेव जयते

  
(राजपाल यादव)  
उपखण्ड अधिवक्ता सीकर  
गोद म सीकर

